



Mr.???????

06 Feb 2026

09:17 AM

Amethi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121226405

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 06/02/2026
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 09:17:00 घंटे
इष्ट _____: 06:20:30 घटी
स्थान _____: Amethi
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:09:00 उत्तर
रेखांश _____: 81:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:02:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:14:12 घंटे
वेलान्तर _____: -00:14:03 घंटे
साम्पातिक काल _____: 18:19:24 घंटे
सूर्योदय _____: 06:44:47 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:49:15 घंटे
दिनमान _____: 11:04:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 23:07:51 मकर
लग्न के अंश _____: 12:29:08 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मीन - गुरु
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: हस्त - 2
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: धृति
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

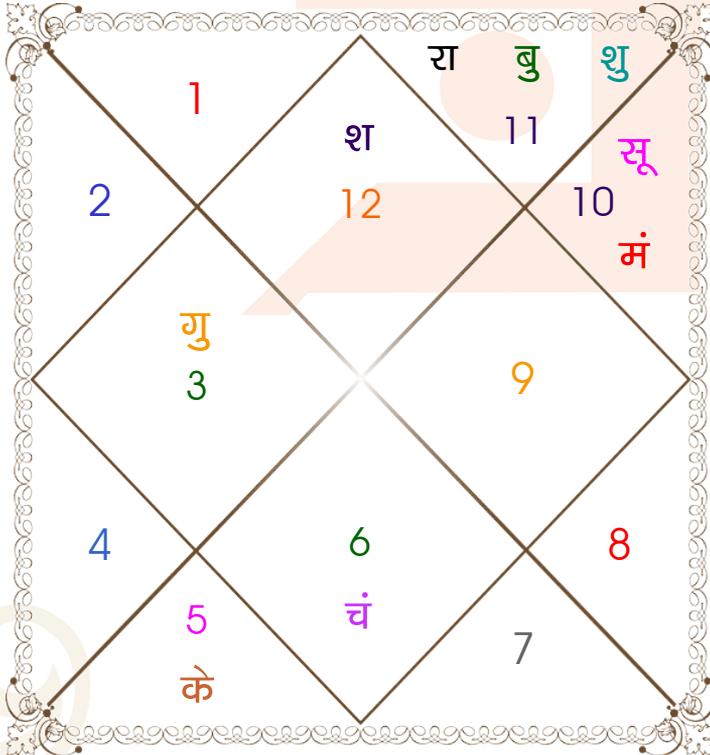
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:29:08	497:53:02	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	---
सूर्य			मक	23:07:51	01:00:48	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	15:27:25	12:36:22	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल	अ		मक	16:32:44	00:47:04	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	04:22:56	01:45:49	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:35:26	00:06:00	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	00:25:22	01:15:13	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	04:56:16	00:06:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:51:04	00:01:46	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:51:04	00:01:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:17	00:00:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:03:49	00:01:47	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:38:09	00:01:53	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	10:13:45	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

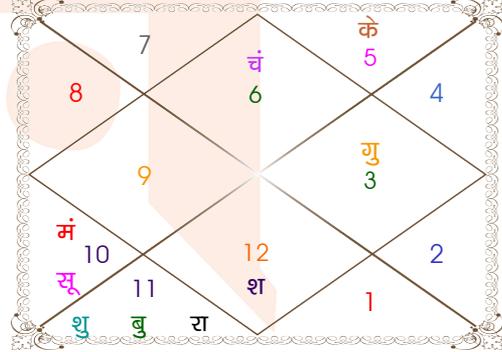
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

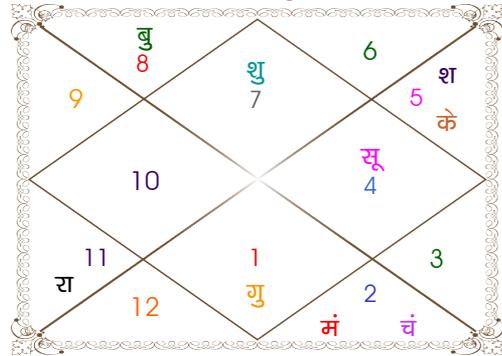
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 10 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
06/02/2026	03/01/2032	03/01/2039	03/01/2057	03/01/2073
03/01/2032	03/01/2039	03/01/2057	03/01/2073	03/01/2092
00/00/0000	मंगल 01/06/2032	राहु 15/09/2041	गुरु 21/02/2059	शनि 07/01/2076
00/00/0000	राहु 19/06/2033	गुरु 09/02/2044	शनि 03/09/2061	बुध 16/09/2078
06/02/2026	गुरु 26/05/2034	शनि 16/12/2046	बुध 10/12/2063	केतु 25/10/2079
गुरु 04/04/2026	शनि 05/07/2035	बुध 04/07/2049	केतु 15/11/2064	शुक्र 25/12/2082
शनि 04/11/2027	बुध 01/07/2036	केतु 23/07/2050	शुक्र 17/07/2067	सूर्य 07/12/2083
बुध 04/04/2029	केतु 27/11/2036	शुक्र 23/07/2053	सूर्य 04/05/2068	चंद्र 07/07/2085
केतु 03/11/2029	शुक्र 27/01/2038	सूर्य 16/06/2054	चंद्र 03/09/2069	मंगल 16/08/2086
शुक्र 05/07/2031	सूर्य 04/06/2038	चंद्र 16/12/2055	मंगल 10/08/2070	राहु 22/06/2089
सूर्य 03/01/2032	चंद्र 03/01/2039	मंगल 03/01/2057	राहु 03/01/2073	गुरु 03/01/2092

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
03/01/2092	04/01/2109	04/01/2116	04/01/2136	04/01/2142
04/01/2109	04/01/2116	04/01/2136	04/01/2142	00/00/0000
बुध 01/06/2094	केतु 02/06/2109	शुक्र 06/05/2119	सूर्य 23/04/2136	चंद्र 04/11/2142
केतु 29/05/2095	शुक्र 02/08/2110	सूर्य 05/05/2120	चंद्र 23/10/2136	मंगल 05/06/2143
शुक्र 29/03/2098	सूर्य 08/12/2110	चंद्र 04/01/2122	मंगल 28/02/2137	राहु 04/12/2144
सूर्य 03/02/2099	चंद्र 09/07/2111	मंगल 06/03/2123	राहु 22/01/2138	गुरु 07/02/2146
चंद्र 05/07/2100	मंगल 05/12/2111	राहु 06/03/2126	गुरु 10/11/2138	00/00/0000
मंगल 02/07/2101	राहु 23/12/2112	गुरु 04/11/2128	शनि 23/10/2139	00/00/0000
राहु 20/01/2104	गुरु 28/11/2113	शनि 04/01/2132	बुध 29/08/2140	00/00/0000
गुरु 27/04/2106	शनि 07/01/2115	बुध 04/11/2134	केतु 04/01/2141	00/00/0000
शनि 04/01/2109	बुध 04/01/2116	केतु 04/01/2136	शुक्र 04/01/2142	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 11 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमें आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते हैं कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते हैं तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी हैं तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकें। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करें। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूँ। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते हैं। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यजनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते हैं तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।